Roll No.....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

MD-CT-401

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

एम.ए. दर्शन, चतुर्थ सत्रार्द्ध

सांख्य योग-4

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट: यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3 x15 =45)

1. पुरुषार्थ शून्य गुणों और इन गुणों के प्रतिप्रसव की अवधारणाओं को स्पष्ट करें।

2. शरीर के अवस्थान्तर परिणाम के सन्दर्भ में प्रकृति के आपूरण की भूमिका क्या है? वर्णन करें।

3. जगत की सत्यता असत्यता से सम्बन्धित प्रसंग उपस्थान करते हुये साख्य-समर्थित मत की व्याख्या करें।

4. महर्षिकपिल प्रतिपादित युक्तियों के माध्यम से ईश्वर के कर्मफल दातृत्व की अवधारणा को चित्रित करें।

5. प्रकृति की आद्य उपादानता को सिद्ध करते हुये साङ्ख्य समर्थित मत की दृढता स्थापित करें।

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5 x5 =25)

6. महर्षि कपिल के मतानुसार मङ्गलाचरण की भूमिका को स्पष्ट रूप से समझाएँ।

7. दुःख निवृत्ति का वास्तविक कारण को उत्घाटित करते हुये साङ्ख्यमत प्रस्तुत करें।

8. वासनाओं के संगृहीत होने का कारण और इनके निवारण का उपाय क्या है? वर्णन करें।

9. सांख्यदर्शन के अनुसार उपरागनिरोध के सन्दर्भ में व्याख्या प्रस्तुत करें।

10. आत्मज्ञान के स्मरण मात्र से दुःख की पूर्णनिवृत्ति न होने का कारण क्या है? उल्लेख करें।

11. धर्ममेघ समाधि की प्राप्ति के लिये साधन क्या हैं? वर्णन करें।

12. भोग का पर्यावसान कहाँ होता है? विवरण प्रस्तुत करें।

----------X----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-CT-402

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

M.A. Darshan with Yoga, Semester: 4th

दर्शन : प्रश्न-पत्र : द्वितीय

न्याय-वैशेषिक-4

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. न्यायदर्शन के अनुसार तत्वज्ञान की उत्पत्ति एवं परिपालन प्रक्रिया को समझाइए।
2. वैशेषिक दर्शन के अनुसार अभाव का स्वरूप एवं प्रकारों को स्पष्ट करें।
3. अपवर्ग को सिद्ध करते हुए- अपवर्ग में क्लेशसन्तति के उच्छेदन को सप्रमाण समर्थन कीजिए।
4. आधुनिक काल में न्याय एवं वैशेषिक दर्शनों का महत्व और उपयोगिता क्या है?
5. षट्पक्षी प्रसंग कथा क्यों नहीं होती? प्रमाण सहित लिखें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. 'सुखाभाव हि दुःख नहीं है'। न्यायदर्शन के अनुसार प्रतिपादन करें।
7. न्यायदर्शनानुसार दोष पर प्रमाण सहित चर्चा करें।
8. जाति के सूत्र लिखकर जातियों की गणना कीजिए।
9. अवयवों से भिन्न अवयवि है। महर्षि गौतम के अनुसार प्रतिपादित करें।
10. लैङ्गिक ज्ञान किसे कहते हैं? वैशेषिक भाष्यानुसार स्पष्ट कीजिए।
11. वैशेषिक दर्शनानुसार विद्या एवं अविद्या को समझाइये।
12. वैशेषिक दर्शन में कारण कितने हैं? उनके स्वरूप की व्याख्या करें।

----------X----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-CT-403

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

M.A. Darshan with Yoga, Semester: 4th

दर्शन : प्रश्न-पत्र : तृतीय

वेदान्त-मीमांसा-4

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. ब्रह्माधिगम के अनन्तर पुण्य एवं पाप कर्माशयों की क्या गति होती है? ब्रह्मासूत्रानुसार वर्णन करें।
2. ब्रह्मसूत्रानुसार ब्रह्मज्ञान के साधनभूत अङ्गों का प्रमाणपूर्वक उल्लेख करें।
3. वेदान्तदर्शनानुसार उत्क्रमणकाल में वागादि इन्द्रियों के लीनत्व का वर्णन करें।
4. मीमांसा के अनुसार विधि के स्वरूप एवं प्रकार का प्रमाणपूर्वक सविस्तार वर्णन करें।
5. मीमांसादर्शनानुसार अर्थवाद की विवेचना कीजिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. विभिन्न अध्यात्मग्रन्थों के अनुसार अर्चिरादि पथों का समन्वयात्मक वर्णन करें।
7. 'निशि नेति चेन्न .....' सूत्र को पूर्ण करते हुए सप्रसङ्ग व्याख्या करें।
8. "आप्रायणात् तत्रापि दृष्टम्" सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।
9. मीमांसा दर्शन के अनुसार श्रुति प्रमाण की विशद् विवेचना करें।
10. मीमांसा दर्शन के अनुसार नियमविधि की विस्तृत विवेचना करें।
11. मोक्ष में जीवात्मा की अवस्थिती का वर्णन करें।
12. मीमांसा दर्शनानुसार परिसंख्याविधि को समझाइये।

----------X----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-CT-404

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

M.A. Darshan with Yoga, Semester: 4th

दर्शन : प्रश्न-पत्र : चतुर्थ

वैदिकेतर दर्शन-4

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. शंकराचार्य के अनुसार ब्रह्म के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
2. जगत के तीन स्तर कौन-कौन से हैं? सविस्तार वर्णन कीजिए।
3. रामानुजाचार्य के अनुसार ईश्वर के स्वरूप का उल्लेख कीजिए।
4. रामानुजाचार्य द्वारा मायावाद के विरूद्ध दिये गये तर्कों की व्याख्या कीजिए।
5. विवर्तवाद की व्याख्या कीजिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. अद्वैत और विशिष्टाद्वैत में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
7. ब्रह्म सूत्र पर आधारित प्रमुख भाष्य एवं भाष्यकारों का परिचय दीजिए।
8. माया के लक्षणों का निरूपण कीजिए।
9. अद्वैत दर्शन में ईश्वर और जीव के सम्बन्ध पर टिप्पणी लिखिए।
10. सृष्टि के पंचीकरण सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।
11. सगुण ब्रह्म की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।
12. निर्गुण शब्द ब्रह्म के लिए किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। समझाइये।

----------X----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-GE-407

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

M.A. Darshan with Yoga, Semester: 4th

History: Paper: Fifth

गुप्तकाल का इतिहास–II

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. वैष्णव परम्परा पर एक निबंध लिखिए।
2. अर्थशास्त्र और धर्मशास्त्र की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।
3. गुप्तकालीन सिक्कों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
4. दक्षिण पूर्व एशिया और चीन के साथ गुप्त वंश के शासकों के सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए।
5. गुप्तकाल भारतीय इतिहास का स्वर्णकाल है। सिद्ध कीजिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. शैव परम्परा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
7. अवदान साहित्य के विषय में आप क्या जानते हैं?
8. मूर्तिकला के विकास पर संक्षिप्त व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।
9. अजन्ता की चित्रकला शैली पर प्रकाश डालिए।
10. शाक्त परम्परा के विकास में गुप्तवंशीय शासकों के योगदान का वर्णन कीजिए।
11. प्राचीन काल में संगीत और रंगमच की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
12. प्राचीन काल में तपोवन की जीवन पद्धति पर प्रकाश डालिए।

----------X----------